एगरूवेण विसेसाहियाणि । सुहुमेइंदियपज्जत्तयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि । बादरेइंदियपज्जत्तयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि । बेइंदियअपज्जत्तयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो असंखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि । तस्सेव पज्जत्तयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि । तेइंदियअपज्जत्तयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि । तस्सेव पज्जत्तयस्स ट्ठिदि-बंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवेग विसेसाहियाणि । चउरिंदियअपज्जत्तयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि । तस्सेव पज्जत्तयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । असण्णिपंचिंदियअपज्जत्तयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि । तस्सेव पज्जत्तयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि । बादरेइंदियपज्जत्तयस्स जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो । सुहुमेइंदियपज्जत्तयस्स जहण्णओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ । बादरेइंदियअपज्जत्तयस्स जहण्णओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ । सुहुमेइंदियअपज्जत्तयस्स जहण्णओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ । तस्सेव उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ । बादरेइंदियअपज्जत्तयस्स उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो

एक रूपसे विशेष अधिक हैं । बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तकका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं । द्वीन्द्रिय अपर्याप्तकका स्थितिबन्धस्थानविशेष असंख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं । उसीके पर्याप्तकका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है । स्थितिबंधस्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं । त्रीन्द्रिय अपर्याप्तकका स्थितिबंधस्थानविशेष संख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं । उसीके पर्याप्तकका स्थितिबंधस्थान-विशेष संख्यातगुणा है । स्थितिबंधस्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं । चतुरिन्द्रिय अपर्याप्तकका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं । उसीके पर्याप्तकका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है । स्थिति-बन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं । असंज्ञी पंचेन्द्रिय अपर्याप्तकका स्थितिबन्धस्थान-विशेष संख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं । उसीके पर्याप्तकका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं । बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तकका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है । सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्कका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है । बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तकका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है । सूक्ष्म एकेन्द्रिय अपर्याप्तकका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है । उसीका उत्कृष्ट स्थितिबंध विशेष अधिक है । बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तकका

विसेसाहिओ। सुहुमेइंदियपज्जत्तयस्स उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। बादरेइंदियपज्जत्तयस्स उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। बेइंदियपज्जत्तयस्स जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो। तस्सेव अपज्जत्तयस्स जहण्णओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। तस्सेव उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। तस्सेव पज्जत्तयस्स उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। तेइंदियपज्जत्तयस्स जहण्णओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। तस्सेव अपज्जत्तयस्स जहण्णओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। तस्सेव उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। तस्सेव पज्जत्तयस्स उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। चउरिंदियपज्जत्तयस्स जहण्णओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। सेसतिण्णिपदाणं बेइंदियभंगो। असण्णिपंचिंदियपज्जत्तयस्स जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो। सेसतिण्णि(१)पदाणं बेइंदियभंगो। सण्णिपंचिंदियपज्जत्तयस्स जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो। तस्सेव अपज्जत्तयस्स जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो। तस्सेव अपज्जत्तयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। तस्सेव पज्जत्तयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। एवमव्वोगाढमप्पाबहुअं समत्तं।

मूलपयडिअप्पाबहुअं दुविहं– सत्थाणं परत्थाणं चेदि। तत्थ सत्थाणे पयदं––

उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तकका उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तकका उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। द्वीन्द्रिय पर्याप्तकका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। उसीके अपर्याप्तकका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। उसीका उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। उसीके पर्याप्तकका उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। त्रीन्द्रिय पर्याप्तकका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। उसीके अपर्याप्तकका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। उसीका उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। उसीके पर्याप्तकका उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। चतुरिन्द्रिय पर्याप्तकका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। शेष तीन पदोंकी प्ररूपणा द्वीन्द्रियके समान है। असंज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तकका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। शेष तीन पदोंकी प्ररूपणा द्वीन्द्रियके समान है। संज्ञी पंचेन्द्रिय पर्यातप्कका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। उसीके अपर्याप्तकका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। उसीके अपर्याप्तकका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। उसीके पर्याप्तकका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। इस प्रकार अव्वोगाढअल्पबहुत्व समाप्त हुआ।

मूलप्रकृतिअल्पबहुत्व दो प्रकार है–– स्वस्थान अल्पबहुत्व और परस्थान अल्पबहुत्व।

---

(१) प्रतिषु 'सेसं तिण्णि-' इति पाठः।

सव्वत्थोवो सुहुमेइंदियअपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि❀। चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। आउअस्स जहण्णिया आबाहा असंखेज्जगुणा। जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। णामा-गोदाणं जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। आउअस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। णामा-गोदाणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो असंखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। णामा-गोदाणं जहण्णओ ट्ठिदिबंधो असंखेज्जगुणो। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। चदुण्णं कम्माणं जहण्णओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो बिसेसाहिओ। मोहणीयस्स जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। एवं सुहुमेइंदियपज्जत्त----

इनमेंसे स्वस्थान अल्पबहुत्वका प्रकरण है-- सूक्ष्म एकेन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष सबसे स्तोक है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। आयुकी जघन्य आबाधा असंख्यातगुणी है। जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। उनकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक हैं। आयुका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष असंख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। चार कर्मोंका स्थितिबन्धस्थानविशेष विशेष अधिक है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबंधस्थान एक रूपसे अधिक हैं। नाम व गोत्रका जघन्य स्थितिबन्ध असंख्यातगुणा है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। चार कर्मोंका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। मोहनीयका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। इसी प्रकार

❀ ताप्रतौ 'एगरूवेणहियाणि' इति पाठः।

बादरेइंदियअपज्जत्ताणं च णेदव्वं ।

सव्वत्थोवो बादरेइंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । आउअस्स जहण्णिया आबाहा असंखेज्ज✱गुणा । जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो । णामा-गोदाणं जहण्णिया आबाहा संखेज्ज⊛गुणा । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । आउअस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ । णामा-गोदाणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो असंखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । चदुण्णं कम्माणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । मोहणीयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । णामा-गोदाणं जहण्णओ ट्ठिदिबंधो असंखेज्जगुणो । उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ । चदुण्णं कम्माणं जहण्णओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ।

सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तकों और बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तकोंके भी जानना चाहिये ।

बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष सबसे स्तोक है । आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है । आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है । आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं । आयुकी जघन्य आबाधा असंख्यातगुणी है । जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है । नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी हैं । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक हैं । चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक हैं । उससे उन्हींकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक हैं । आयुका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है । आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक हैं । स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक है । उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है । नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष असंख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं । चार कर्मोंका स्थितिबन्धस्थानविशेष विशेष अधिक है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं । मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं । नाम व गोत्रका जघन्य स्थितिबन्ध असंख्यातगुणा है । उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है । चार कर्मोंका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक हैं । उत्कृष्ट

✱ मुद्रित प्रतौ 'संखेज्ज' इति पाठः । ⊛ मुद्रित प्रतौ 'असंखेज्ज' इति पाठः ।

उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ । मोहणीयस्स जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो । उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ ।

सव्वत्थोवो बेइंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । आउअस्स जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा । तस्सेव जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो । आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । णामा-गोदाणं जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । आउअस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ । णामा-गोदाणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो असंखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । चदुण्णं कम्माणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । मोहणीयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । णामा-गोदाणं जहण्णओ ट्ठिदिबंधो

स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। मोहनीयका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है।

द्वीन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष सबसे स्तोक है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। आयुकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उसीका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। आयुका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष असंख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। चार कर्मोंका स्थितिबन्ध-स्थानविशेष विशेष अधिक है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक है। मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। नाम व गोत्रका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है।

संखेज्जगुणो। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। चदुण्णं कम्माणं जहण्णओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। मोहणीयस्स जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। एवं तेइंदिय-चउरिंदिय-असण्णि✽पंचिंदियअपज्जत्ताणं पि णेयव्वं।

सव्वत्थोवो बेइंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। आउअस्स जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा। जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो। णामा-गोदाणं जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। आउअस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। णामा-गोदाणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो असंखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो

चार कर्मोंका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। मोहनीयका जघन्य स्थितिबन्धा संख्यातगुणा है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। इसी प्रकार त्रीन्द्रिय, चतुरिन्द्रिय और असंज्ञी पंचेन्द्रिय अपर्याप्तकोंके भी जानना चाहिये।

द्वीन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष सबसे स्तोक है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक है। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। आयुकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। आयुका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधाथान एक रूपसे अधिक हैं। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष असंख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। चार कर्मोंका स्थितिबन्धस्थानविशेष विशेष अधिक है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष

✽ अ-आ-काप्रतिषु 'तेइदिय-असण्णि' ताप्रतौ 'तेइदिय (चउरिंदिय) असण्णि' इति पाठः।

संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । णामा-गोदाणं जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो । उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ । चदुण्णं कम्माणं जहण्णओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ । उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ । मोहणीयस्स जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ । एवं तेइंदिय-चउरिंदियपज्जत्ताणं पि❋ णेयव्वं ।

सव्वत्थोवो असण्णिपंचिंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाधाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । आउअस्स जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा । जहण्णिओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो । णामा-गोदाणं जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । आउअस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो असंखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ । णामा-गोदाणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो असंखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । चदुण्णं कम्माणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो

संख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं । नाम व गोत्रका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है । उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है । चार कर्मोंका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है । उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक हैं । मोहनीयका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यागुणा है । उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है । इसी प्रकार त्रीन्द्रिय और चतुरिन्द्रिय पर्याप्तकोंके भी ले जाना चाहिये ।

असंज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष सबसे स्तोक है । आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं । चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है । आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं । मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है । आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं । आयुकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है । जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है । नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक हैं । मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक हैं । आयुका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है । आबाधास्थान एक रूपसे अधिक है । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । स्थितिबन्धस्थान विशेष असंख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं । उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है । नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष असंख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान

❋ अ-का-ताप्रतिषु 'पि' इयेतत्पदं नोपलभ्यते ।

विसेसाहिओ। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। णामा-गोदाणं जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। चदुण्णं कम्माणं जहण्णओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। (उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ।) मोहणीयस्स जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ।

सव्वत्थोवा सण्णिपंचिंदियअपज्जत्तयस्स आउअस्स जहण्णिया आबाहा। जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। णामा-गोदाणं जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा। चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा। णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। आउअस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ

एक रूपसे अधिक हैं। चार कर्मोंका स्थितिबन्धस्थानविशेष विशेष अधिक है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। नाम व गोत्रका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। चार कर्मोंका जघन्य स्थितिबंध विशेष अधिक है। (उत्कृष्ट स्थितिबंध विशेष अधिक है।) मोहनीयका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। उत्कृष्ट स्थितिबंध विशेष अधिक है।

संज्ञी पंचेन्द्रिय अपर्याप्तकके आयुकी जघन्य आबाधा सबसे स्तोक है। जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक हैं। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। आयुका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। नाम व गोत्रका जघन्य स्थितिबन्ध असंख्यातगुणा है। चार कर्मोंका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। मोहनीयका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान

ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। णामा-गोदाणं जहण्णओ ट्ठिदिबंधो असंखेज्जगुणो। चदुण्णं कम्माणं जहण्णओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। मोहणीयस्स जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो। णामा-गोदाणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। चदुण्णं कम्माणं ट्ठिदिबंध-ट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। मोहणीयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ।

सव्वत्थोवा सण्णिपंचिंदियपज्जत्तयस्स आउअस्स जहण्णिया आबाहा। तस्सेव जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो। णामा गोदाणं जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा। चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा। णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एग-रूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसा-हियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। आउअस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखे-ज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो असंखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। णामा-गोदाणं जहण्णओ ट्ठिदिबंधो

एक रूपसे अधिक हैं। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। चार कर्मोंका स्थितिबन्ध-स्थानविशेष विशेष अधिक है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक हैं। मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थिति-बन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है।

संज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तकके आयुकी जघन्य आबाधा सबसे स्तोक है। उसीका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यात-गुणी है। नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक हैं। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। आयुका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। स्थितिबन्धस्थानविशेष असंख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। नाम व गोत्रका जघन्य स्थितिबन्ध

संखेज्जगुणो। चदुण्णं कम्माणं जहण्णओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। मोहणीयस्स जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो। णामा-गोदाणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। चदुण्णं कम्माणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। मोहणीयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ। एवं सत्थाणप्पाबहुगं समत्तं।

परत्थाणे पयदं– सव्वत्थोवो सुहुमेइंदियअपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। बादरेइंदियअपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। सुहुमेइंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि।

संख्यातगुणा है। चार कर्मोंका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। मोहनीयका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थानविशेष एक रूपसे अधिक है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। चार कर्मोंका स्थितिबन्धस्थानविशेष विशेष अधिक हैं। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक हैं। मोहनीयका स्थितिबन्धास्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। इस प्रकार स्वस्थान अल्पबहुत्व समाप्त हुआ।

अब परस्थान अल्पबहुत्वका प्रकरण है–– सूक्ष्म एकेन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष सबसे स्तोक है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा हैं। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष

मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। बादरएइंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। बेइंदियअपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो असंखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। तस्सेव पज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। तेइंदियअपज्जत्तयस्स* णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। तस्सेव पज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो

संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। द्वीन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष असंख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। चार कर्मोंका आबाधास्थान-विशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। उसीके पर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। त्रीन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक हैं। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणाहै। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। उसीके पर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष

---

* मुद्रितप्रतिषु 'पज्जत्तयस्स' इति पाठः।

विसेसाहिओ। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चउरिंदियअपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। तस्सेव पज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। असण्णिपंचिंदियअपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि तस्सेव पज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चोद्दसण्णं जीवसमासाणमाउअस्स जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा। जहण्णओ ट्ठिदिबंधो

अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। चतुरिन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थान विशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। उसीके पर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। असंज्ञी पंचेन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थानविशेष एक रूपसे विशेष अधिक हैं। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक हैं। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। मोहनीयका आबाधास्थान संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। उसीके पर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। चार कर्मोंका आबाधास्थान-विशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। चौदह जीवसमासोंके आयुकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। जघन्य स्थितिबन्ध

संखेज्जगुणो । सत्तण्णमपज्जत्ताणमाउअस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । सुहुमेइंदियपज्जत्ताणमाउअस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । बादरेइंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणं जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा । सुहुमेइंदियपज्जत्तयस्स णामा गोदाणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । बादरेइंदियअपज्जत्तयस्स (णामा-गोदाणं) जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । सुहुमेइंदियअपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । बादरेइंदियअपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणं उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । सुहुमेइंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमुक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । बादरेइंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमुक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । बादरेइंदियपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । सुहुमेइंदियपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । बादरेइंदियअपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । सुहुमेइंदियअपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । बादरेइंदियअपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । सुहुमेइंदियपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । बादरेइंदियपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणमुक्कस्सिया आबाहा

संख्यातगुणा है। सात अपर्याप्तकोंके आयुका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तकोंके आयुका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। सूक्ष्म एकेन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। उसीके उनकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तकके चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तकके चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तकके चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। सूक्ष्म एकेन्द्रिय अपर्याप्तकके चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। उसीके उनकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तकके चार कर्मोंकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तकके चार कर्मोंकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तकके चार कर्मोंकी उत्कृष्ट आबाधा

विसेसाहिया । बादरेइंदियपज्जत्तयस्स मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा । सुहुमेइंदियपज्जत्तयस्स मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । एवं सेसाणं छप्पदाणं पि णेदव्वं । बेइंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणं जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा । तस्सेव अपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव अपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमुक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव पज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमुक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । बेइंदियपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव अपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव अपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणमुक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव पज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणमुक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । तेइंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव अपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव अपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमुक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव पज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमुक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । तेइंदियपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव अपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव अपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणमुक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव पज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणमुक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । बेइंदियपज्जत्तयस्स मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव अपज्जत्तयस्स मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया ।

विशेष अधिक है । बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तकके मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है । सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तकके मोहनीयकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । इसी प्रकार शेष छह पदोंका भी अल्पबहुत्व जानना चाहिये ।

आगे द्वीन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है । उसीके अपर्याप्तकके नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । उसीके अपर्याप्तकके नाम व गोत्रकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । उसीके पर्याप्तकके नाम व गोत्रकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । द्वीन्द्रिय पर्याप्तकके चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । उसीके अपर्याप्तकके चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । उसीके अपर्याप्तकके चार कर्मोंकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । उसीके पर्याप्तकके चार कर्मोंकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । त्रीन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । उसीके अपर्याप्तकके नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । उसीके अपर्याप्तकके नाम व गोत्रकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । उसीके पर्याप्तकके नाम व गोत्रकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । त्रीन्द्रिय पर्याप्तकके चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । उसीके अपर्याप्तकके चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । उसीके अपर्याप्तकके चार कर्मोंकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । उसीके पर्याप्तकके चार कर्मोंकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । द्वीन्द्रिय पर्याप्तकके मोहनीयकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । उसीके अपर्याप्तकके

तस्सेव अपज्जत्तयस्स मोहणीयस्स उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव पज्जत्तयस्स मोहणीयस्स उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। चउरिंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव अपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया। तस्सेव अपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमुक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव पज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमुक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव पज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव अपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव अपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणमुक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। तस्सेव पज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणमुक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । तेइंदियपज्जत्तयस्स मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव अपज्जत्तयस्स मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव अपज्जत्तयस्स मोहणीयस्स उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव पज्जत्तयस्स मोहणीयस्स उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। चउरिंदियपज्जत्तयस्स मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया। तस्सेव अपज्जत्तयस्स मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव अपज्जत्तयस्स मोहणीयस्स उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव पज्जत्तयस्स मोहणीयस्स उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। असण्णिपंचिंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणं जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा। गुणा। तस्सेव अपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव

मोहनीयकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । उसीके अपर्याप्तकके मोहनीयकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । उसीके पर्याप्तकके मोहनीयकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । चतुरिन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । उसीके अपर्याप्तकके नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । उसीके अपर्याप्तकके नाम व गोत्रकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । उसीके पर्याप्तकके नाम व गोत्रकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । उसीके पर्याप्तकके चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । उसीके अपर्याप्तकके चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । उसीके अपर्याप्तकके चार कर्मोंकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । उसीके पर्याप्तकके चार कर्मोंकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । त्रीन्द्रिय पर्याप्तकके मोहनीयकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । उसीके अपर्याप्तकके मोहनीयकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । उसीके अपर्याप्तकके मोहनीयकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । उसीके पर्याप्तकके मोहनीयकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । चतुरिन्द्रिय पर्याप्तकके मोहनीयकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । उसीके अपर्याप्तकके मोहनीयकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । उसीके अपर्याप्तकके मोहनीयकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । उसीके पर्याप्तकके मोहनीयकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । असंज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है । उसीके अपर्याप्तकके नाम व गोत्रकी जघन्य

अपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमुक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। तस्सेव पज्जत्तयस्स णामा गोदाणं उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। तस्सेव पज्जत्तयस्स चदुणं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया। तस्सेव अपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माण जहण्णिया✽ आबाहा विसेसाहिया। तस्सेव अपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। तस्सेव पज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणमुक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। तस्सेव पज्जत्तयस मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा। तस्सेव अपज्जत्तयस्स मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया। तस्सेव अपज्जत्तयस्स मोहणीयस्स उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। तस्सेव पज्जत्तयस्स मोहणीयस्स उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। सण्णिपंचिंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणं जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा। तस्सेव पज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया। तस्सेव पज्जत्तयस्स मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा। तस्सेव अपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणं जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा। तस्सेव अपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया। तस्सेव अपज्जत्तयस्स मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा। तस्सेव अपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। तस्सेव अपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ।

आबाधा अधिक है। उसीके अपर्याप्तकके नाम व गोत्रकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। उसीके पर्याप्तकके नाम व गोत्रकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। उसीके पर्याप्तकके चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। उसीके अपर्याप्तकके चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। उसीके अपर्याप्तकके चार कर्मोंकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। उसीके पर्याप्तकके चार कर्मोंकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। उसीके पर्याप्तकके मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उसीके अपर्याप्तकके मोहनीयकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। उसीके अपर्याप्तकके मोहनीयकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। उसीके पर्याप्तकके मोहनीयकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। संज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उसीके पर्याप्तकके चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। उसीके पर्याप्तकके मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उसीके अपर्याप्तकके नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उसीके अपर्याप्तकके चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। उसीके अपर्याप्तकके मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उसीके अपर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। उसीके अपर्याप्तकके चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक

✽ ताप्रतौ 'कम्माणं उक्क० (जह०)' इति पाठः।

आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव अपज्जत्तयस्स मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाहाट्ठाणाणि एग-रूवाहियाणि । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । तेइंदियपज्जत्ताणमाउअस्स आबा-हाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । चउरिंदियपज्जत्ताणमाउअस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । बादरबेइंदि-यपज्जत्तयस्स आउअस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाहाट्ठाणाणि एग-रूवाहियाणि । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । संण्णिपंचिंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव पज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाण-विसेसो विसेसाहिओ । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । तस्सेव पज्जत्तयस्स मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । बादरेइंदियप-ज्जत्तयस्स आउअस्स आबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। पंचिंदियसण्णि-असण्णिपज्जत्ताणमाउअस्स आबाहा-ट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । उक्कस्सिया आबाहा

हैं । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । उसीके अपर्याप्तकके मोहनीयका आबाधास्थान-विशेष संख्यातगुणा है । आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । त्रीन्द्रिय पर्याप्तकके आयुका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है । आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। चतुरिन्द्रिय पर्याप्तकके आयुका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है । आबाधास्थान एक रूपसे अधिक है । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक हैं । बादर द्वीन्द्रिय पर्याप्तकके आयुका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है । आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । संज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है । आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । उसीके पर्याप्तकके चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है । आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । उसीके पर्याप्तकके मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है । आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तकके आयुका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है । आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। पंचेन्द्रिय संज्ञी व असंज्ञी पर्याप्तकोंके आयुका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक हैं । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । बारह जीवसमासोंके आयुका

विसेसाहिया । बारसण्णं जीवसमासाणमाउअस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ । असण्णि-पंचिंदियपज्जत्ताणमाउअस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो असंखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । उक्कस्सओ ट्ठिदिबंधो विसेसाहिओ । सुहुमेइंदियअपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो असंखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । चदुण्णं कम्माणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । मोहणीयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । बादरेइंदियअपज्जत्ताणं णामा-गोदाणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंध-ट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । चदुण्णं कम्माणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । मोहणीयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । सुहुमेइंदियपज्जत्ताणं णामा-गोदाणं ट्ठिदिबंध-ट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । चदुण्णं कम्माणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । मोहणीयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । बादरेइंदिय-पज्जत्ताणं णामा गोदाणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि

स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं । उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है । असंज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तकके आयुका स्थितिबन्धस्थानविशेष असंख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं । उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है । सूक्ष्म एकेन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष असंख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं । चार कर्मोंका स्थितिबन्धस्थानविशेष विशेष अधिक है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं । मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं । बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तकोंके नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं । चार कर्मोंका स्थितिबन्धस्थानविशेष विशेष अधिक है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं । मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं । सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तकोंके नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थान विशेष संख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं । चार कर्मोंका स्थितिबन्धस्थानविशेष विशेष अधिक है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं । मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं । बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तकोंके नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं । चार कर्मोंका स्थिति-

एगरूवाहियाणि । चदुण्णं कम्माणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । मोहणीयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । बेइंदियअपज्जत्ताणं णामा-गोदाणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो असंखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । चदुण्णं कम्माणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । मोहणीयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । तस्सेव पज्जत्ताणं णामा-गोदाणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । चदुण्णं कम्माणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि मोहणीयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । तेइंदियअपज्जत्ताणं णामा-गोदाणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । चदुण्णं कम्माणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । मोहणीयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । तस्सेव पज्जत्ताणं णामा-गोदाणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि चदुण्णं कम्माणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । मोहणीयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि । चउरिंदियअपज्जत्ताणं णामा-गोदाण

बन्धस्थानविशेष विशेष अधिक है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। द्वीन्द्रिय अपर्याप्तकोंके नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष असंख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। चार कर्मोंका स्थितिबन्धस्थानविशेष विशेष अधिक है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। उसीके पर्याप्तकके नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। चार कर्मोंका स्थितिबन्धस्थानविशेष विशेष अधिक हैं। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। त्रीन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। चार कर्मोंका स्थितिबन्धस्थानविशेष विशेष अधिक है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। उसीके पर्याप्तकके नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। चार कर्मोंका स्थितिबन्धस्थानविशेष विशेष अधिक है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक है। मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे

ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। तस्सेव पज्जत्ताणं णामा-गोदाणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। असण्णिपंचेंदिअपज्जत्ताणं णामा-गोदाणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। तस्सेव पज्जत्ताणं णामा-गोदाणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणं ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स ट्ठिदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। ट्ठिदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। बादरएइंदियपज्जत्तयस्स णामा गोदाणं जहण्णओ ट्ठिदिबंधो संखेज्जगुणो। सुहुमेइंदियअपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणं जहण्णओ ट्ठिदिबंधो

अधिक हैं। चतुरिन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबंधस्थान एक रूपसे अधिक हैं। चार कर्मोंका स्थितिबंधस्थानविशेष विशेष अधिक है। स्थितिबंधस्थान एक रूपसे अधिक हैं। मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। उसीके पर्याप्तकके नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। चार कर्मोंका स्थितिबन्धस्थानविशेष विशेष अधिक है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। असंज्ञी पंचेन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। चार कर्मोंका स्थितिबन्धस्थानविशेष विशेष अधिक है। स्थितिबंधस्थान एक रूपसे अधिक हैं। मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। उसीके पर्याप्तकके नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थान विशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। चार कर्मोंका स्थितिबन्धस्थानविशेष विशेष अधिक है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक हैं। बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व